प्राकृत ग्रन्थमाला - 16

मुनिश्रीचन्द्रविरचित

दंसणकहरयणकरंडु

(दर्शनकथारत्नकरण्डः)

प्रथम भाग

हिन्दी-अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

पाण्डुलिपि सम्पादन एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. धर्मेन्द्र जैन
(एम.ए, पीएच.डी.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

विषयानुक्रम

क्र.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	1-99
2.	प्रथम संधि	1-37
3.	द्वितीय संधि	38-58
4.	तृतीय संधि	59-70
5.	चतुर्थ संधि	71-80
6.	पंचम संधि	81-90
7.	षष्ठ संधि	91-103
8.	सप्तम संधि	104-119
9.	अष्टम संधि	120-140
10.	नवम संधि	141-157
11	दशम संधि	158-174
12.	एकादश संधि	175-196

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत
प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

978-93-85791-35-2